वेल्लोर में चल रहा है इन सर्विस ट्रेनिंग प्रोग्राम

वीआईटी में बेहतर सेवा के गुर सीख रहे बिहार के अधिकारी

वेल्लोर से लौटकर प्रशांत क्कड़

वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर में बिहार प्रशासनिक सेवा के 22 शीर्ष अधिकारी ट्रेनिंग ले रहे हैं। यह ट्रेनिंग वीआईटी यूनिवर्सिटी के एकेडमिक स्टाफ कॉलेज की ओर से आयोजित किया गया है। तीन अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक आयोजित इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान बिहार के अधिकारी लोक प्रशासन, पब्लिक पॉलिसी, वित्तीय प्रबंधन, ग्रामीण विकास, ग्रीन बिल्डिंग, ग्रीन एनर्जी, संसाधन प्रबंधन, मैनेजमेंट स्किल्स, सूचना तकनीक और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं।

बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान के सहयोग से बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए पहली बार राज्य के बाहर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया है। पटना के वरीय उपसमाहर्ता मनोरंजन कुमार ने कहा कि इस ट्रेनिंग को लेकर अधिकारियों में काफी खुशी है। एक तो राज्य से बाहर निकलकर पहली बार ट्रेनिंग लेने का मौका मिला और साथ ही साथ यहां अच्छी जानकारियां उपलब्ध कराई जा रही है।

शेखपुरा एसडीएम मधुसुदन प्रसाद ने कहा कि इस ट्रेनिंग के दौरान तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक सहित अन्य राज्य के शीर्ष और रिटायर्ट अधिकारियों से बातचीत और उनके अनुभवों से सीखने का मौका मिला है। यहां यह भी जानने का मौका मिला है कि कैसे उपलब्ध सुविधाओं और संसाधन में बेहतर सेवा दी जा सकती है। ग्रामीण विकास विभाग में ओएसडी अतुल कुमार वर्मा ने कहा कि ट्रेनिंग के दौरान यह भी जानने का मौका मिल रहा है कि किस तरह से यहां के अधिकारी केंद्रीय और राज्यस्तरीय योजनाओं का कार्यान्वयन करते हैं। ट्रेनिंग में शामिल एकमात्र महिला अधिकारी जहानाबाद की सीनियर डिप्टी कलेक्टर अंजू कुमारी ने कहा कि वीआईटी ने ट्रेनिंग के लिए अच्छे रिसोर्स पर्सन की व्यवस्था की है। इसमें प्लानिंग कमीशन के डिप्टी एडवाइजर सहित गृह विभाग, वित्त विभाग सहित अन्य विभागों के शीर्ष अधिकारी शामिल हैं। इस ट्रेनिंग के लिए वीआईटी, वेल्लोर के वाइस प्रेसीडेंट सेकर विश्वनाथन ने बिहार सरकार का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में बिहार ने अच्छी विकास की गति दिखाई है। हमलोग भी इसमें सहयोग करना चाहते हैं और इस राज्य अधिकारियों को बेहतर तरीके से काम करने की ट्रेनिंग देना उसी का हिस्सा है।

डीब्रीफिंग में देंगे अपने आइडिया

बिहार राज्य के 22 अधिकारी जब ट्रेनिंग लेकर वापस लौटेंगे तो पटना में इनकी डीब्रीफिंग होगी। बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान के साथ होने वाले इस डीब्रीफिंग में ये अधिकारी अपने अनुभवों को साझा करेंगे। इन अधिकारियों का कहना है कि बिहार में बिजली एक बड़ी समस्या है। यहां से मिली जानकारी और अनुभवों से पता चला है कि ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोत इस समस्या से निजात पाने में सक्षम हैं।

मधुसुदन कुमार ने कहा कि डी-ब्रीफिंग के दौरान ये बताएंगे की हमें सोलर और बायोमास एनर्जी के बारे में सोचना चाहिए।

वीआईटी कैम्पस में ग्रीन एनर्जी का अच्छी तरह उपयोग किया गया है जो यहां कि जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है।